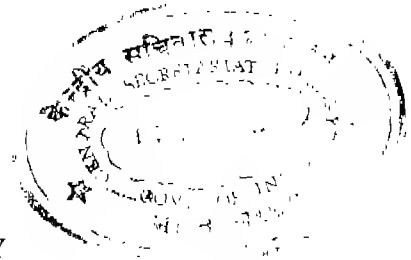




# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1  
प्रतिभक्ता से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 113]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 21, 1990/वैशाख 31, 1912

No. 113]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 21, 1990/VAISAKHA 31, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 मई, 1990

सार्वजनिक सूचना संख्या 1—पी. आर.-एन. पी./90

फा. सं. 601/4/90—एन. पी. 1—प्रवैत, 1990, मार्च,  
1993 के लिए आयात और निर्यात नीति के परिशिष्ट-5, भाग-ख  
के पैरा 6 के अनुसार भारत सरकार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय  
एतद्वारा अनुसूचक में दिए अनुसार लाइसेंसिंग बंधे अवैत, 1990—  
मार्च, 1991 के लिए अख्त्यारी कागज आबंटन नीति अधिसूचित करती  
है।

आई. ए. खान, संयुक्त सचिव

परिशिष्ट

अख्त्यारी कागज आबंटन नीति, 1990-91

1. लागू होना

यह नीति, ऐसे संशोधनों जो समय-समय पर अधिसूचित किए जा  
सकते हैं, के अधीन रहने हुए, लाइसेंसिंग वर्ष 1990-91 के दौरान  
अख्त्यारी कागज के आबंटन पर लागू है जिस पर आयात और निर्यात  
(नियंत्रण), अधिनियम, 1947, आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955

1337GI/90

और अख्त्यारी कागज नियंत्रण अधिनियम, 1962 (समय-समय पर यथा  
संशोधित) लागू है।

2. परिभाषा

2.1 इस नीति में समय-समय पर यथा संशोधित प्रैस और  
पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 में यथा परिभाषित "समाचारपत्र"  
का अर्थ ऐसी कोई भी मुद्रित नियतकालिक कृति होगी जिसमें सार्वजनिक  
समाचार या सार्वजनिक समाचारों पर टिप्पणियाँ छपती हैं।

2.2 इस नीति में प्रयुक्त शब्द "अख्त्यारी कागज" में ऐसे पत्र  
भी शामिल हैं जो इस नीति के अन्तर्गत भारत के समाचारपत्रों के  
पंजीयक द्वारा आबंटित किए जाएँ।

3. पाठ्यता

3.1 औपचारिक आवेदन प्रस्तुत करने पर भारत के समाचारपत्रों  
के पंजीयक द्वारा अख्त्यारी कागज का आबंटन उन समाचारपत्रों को  
किया जाएगा जो समय-समय पर यथा संशोधित प्रैस और पुस्तक  
पंजीकरण अधिनियम, 1867 संगत उपबन्धों के अनुसार भारत के  
समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में पंजीकृत हैं। नया पंजीकृत  
समाचारपत्र अख्त्यारी कागज के आबंटन के लिए आवेदन-पत्र प्राप्त होने  
की तारीख से पात्र होगा।

3.2 कोई समाचारपत्र अखबारी कागज के आबंटन के लिए तभी पात्र होगा जब दैनिक समाचारपत्र के मामले में उसकी नियमितता 90 प्रतिशत और अन्य आवधिकता के मामले में 66-2/3 प्रतिशत होगी सिवाय उन मामलों के जिनमें नियमितता की गिरावट प्रकाशक के नियंत्रण से बाहर के कारणों से अर्थात् हड़ताल, तालाबंदी, काम धीरे करना, बिजली की कमी या इसी प्रकार के कारणों से आई हो।

3.3 भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा अखबारों कागज का आबंटन निम्नलिखित के लिए भी प्राधिकृत किया जा सकता है:—

- (1) समाचार एजेंसियों द्वारा टेलीप्रिंटों पर समाचार का प्रेषण
- (2) समाचारपत्रों द्वारा मुद्रण परीक्षण, और
- (3) कालेजों और स्कूलों की पत्रिकाओं का मुद्रण।

3.4 प्रकाशनों को निम्नलिखित श्रेणियाँ, चाहे व भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में समाचारपत्रों के रूप में पंजीकृत हों, इस नीति के अन्तर्गत अखबारी कागज के आबंटन के लिए पात्र नहीं होंगी:—

- (1) मुख्यतः वस्तुओं अथवा सेवाओं से विक्री को बढ़ावा देने के लिए प्रकाशित पत्रिकाएँ;
- (2) उपक्रमों/कर्मों/औद्योगिक प्रतिष्ठानों द्वारा प्रकाशित की जाने वाली घरेलू पत्रिकाएँ/मैगजीन,
- (3) मूल्य सूचियाँ, सूचीपत्र निर्देशिकाएँ तथा लाटरी समाचार,
- (4) दोड़ गाइडें, और
- (5) सेक्स मैगजीन।

#### 4. हकदारी

4.1 किसी समाचारपत्र/आवधिक पत्रिका की लाइसेंसिंग वर्ष 1990-91 के लिए अखबारी कागज की मूल हकदारी का निर्धारण उसके पिछले वर्ष के दौरान अखबारी कागज की खपत, औसत वार्षिक प्रसार संख्या, औसत पृष्ठ संख्या, औसत प्रकाशन दिवसों की संख्या तथा प्रकाशित औसत पृष्ठक्षेत्र के आधार पर किया जाएगा। लाइसेंसिंग वर्ष की हकदारी सप्ताह में सातों दिन प्रकाशित किए जाने वाले समाचार-पत्र के मामले में 365 दिन तथा सप्ताह में 6 दिन निकाले जाने वाले समाचार-पत्र के मामले में 312 दिन के हिसाब से लगाई जाएगी। वर्ष 1989-90 के दौरान राईटिंग और प्रिंटिंग पेपर आदि पर की गई खपत हिसाब में तभी ली जाएगी जब कि वह भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा आबंटित अखबारी कागज की मात्रा से अधिक हो।

4.2 समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र के सभी संस्करणों को जिनका वही नाम हो वही आवधिकता हो, उसी भाषा में प्रकाशित होते हों और उनका स्वामी वही हो अथवा उसी जगह से या भिन्न-भिन्न जगहों से प्रकाशित हो, एक साथ मिला दिया जाएगा और उनकी श्रणी तथा अखबारी कागज की हकदारी का हिसाब सभी संस्करणों को एक साथ मिलाकर निष्पादन विवरण के आधार पर लगाया जाएगा।

4.3 भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा जिस समाचारपत्र/आवधिक पत्र की प्रसार संख्या का दावा सिद्ध घोषित कर दिया गया है, वह अखबारी कागज के लिए तब तक पात्र नहीं होगा जब तक उसकी प्रसार संख्या उसी वर्ष में या अनुवर्ती वर्ष के लिए पुनः सिद्ध न हो जाए, चाहे समाचारपत्र के स्तर में किसी प्रकार का परिवर्तन हो क्यों न हुआ हो। उन समाचारपत्रों/आवधिक पत्रों के मामले में जिनकी प्रसार संख्या भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक ने पहले दावा की गई प्रसार संख्या से कम निर्धारित किया है उनकी हकदारी भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा निर्धारित प्रसार संख्या के आधार पर निकाली जाएगी। ऐसे समाचारपत्र/आवधिक पत्र आंकी गई प्रसार संख्या के आधार पर अखबारी कागज पाते रहेंगे और लाइसेंसिंग अथवा बाद

के वर्षों के दौरान परिशोधन के हकदार नहीं होंगे जब तक कि प्रसार का दावा पूरी तरह स्वीकार न कर लिया जाए। उस समाचारपत्र/आवधिक पत्र के मामले में जिसके बारे में यह पाया जाता है कि उसने अपने निष्पादन अथवा प्रसार संख्या का असत्य विवरण दिया है उसे विशिष्ट अवधि, जो एक वर्ष तक हो सकती है, के लिए नीचे दर्शाए गए तरीके से अखबारी कागज के आबंटन से वंचित किया जा सकेगा:—

अव्युक्ति	के लिए वंचित
(1) 10 प्रतिशत तक	छूट
(2) 10 प्रतिशत से अधिक एवं 25 प्रतिशत तक	तीन महीने
(3) 25 प्रतिशत से अधिक एवं 50 प्रतिशत तक	छः महीने
(4) 50 प्रतिशत से अधिक एवं 75 प्रतिशत तक	नौ महीने
(5) 75 प्रतिशत से अधिक	एक वर्ष

4.4. (क) नोति के पैरा 3.1 में निहित प्रावधानों के बावजूद जो नया आवेदक प्रथम बार प्रकाशना शुरू करता है या अन्यथा प्रथम बार भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को अखबारी कागज के आबंटन के लिए आवेदन करता है उसकी चार महीनों के लिए अखबारी कागज के उतने प्रारम्भिक कोटे की अनुमति दी जाएगी जिनकी आवेदक द्वारा बताई गई प्रसार संख्या से संतुष्ट होने पर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा निर्धारित किया जाए। किन्तु वह दैनिक समाचारपत्रों के मामले में आठ मानक पृष्ठों (2450 वर्ग सें.मी.) के प्रति अंक की 10,000 (दस हजार) प्रतिवर्षों और आवधिक पत्रों के मामले में 16 मानक पृष्ठों से अधिक नहीं होगा। अखबारी कागज का प्रारम्भिक कोटा प्राप्त करने वाले समाचारपत्र द्वारा अखबारी कागज जारी करने के तीन महीने के बाद एक पखवाड़े के अन्दर आबंटित अखबारी कागज के उचित प्रयोग का प्रमाण फार्म एन. पी. 11 में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यदि पहले पंजीकृत नहीं किया गया हो तो इसी बीच समय-समय पर संशोधित प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867 के अर्धीन पंजीकृत कर लिया जाए। उसके बाद प्रथम छः महीने के लिए उसकी हकदारी का निर्धारण वास्तविक निष्पादन के आधार पर किया जाएगा तथा बाकी कोटा यदि कोई हो, औपचारिक आवेदन-पत्र देने पर रिलीज किया जाएगा।

3.4. (ख) ऐसा समाचारपत्र जो गत वर्ष अखबारी कागज के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत करने में असफल रहा हो उसे नया आवेदक समझा जाएगा जब तक वह असफलता प्रकाशक के नियंत्रण से परे के कारणों से न हो। तथापि, अखबारी कागज आबंटन के लिए ने प्रावधान ऐसे समाचारपत्रों पर लागू नहीं होंगे जिनका आबंटन मिलाकर एक कर दिया है।

4.4 (ग) अखबारी कागज के आबंटन के लिए ऐसा समाचारपत्र नया आवेदक समझा जाएगा जिसने अपने समाचारपत्रों की आवधिकता में परिवर्तन किया हो।

4.4. (घ) नया आवेदक अपने आवेदन-पत्र को भारत से समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में प्राप्त होने की तिथि से अखबारी कागज प्राप्त करने का हकदार होगा।

4.5. समाचारपत्र की प्रसार संख्या का निर्धारण (क) विक्री प्रतिवर्षों की संख्या और (ख) निःशुल्क वितरित प्रतिवर्षों की संख्या, बिना की लौटाई गई या मुद्रित किन्तु न तो विक्री और न ही निःशुल्क वितरित की गई प्रतिवर्षों की संख्या का हिसाब में लेकर निम्नलिखित मानकों के आधार पर किया जाएगा:—

प्रसार संख्या (प्रति प्रकाशन) - जो भी कम है  
दिवस विक्री हुई प्रतिवर्ष)

25,000 प्रतिवर्षों तक

5 प्रतिशत या 1,000 प्रतिवर्षों

25,000 से अधिक और 75,000 प्रतियों 5 प्रतिशत या 2,500 प्रतियों तक ।

75,000 प्रतियों से अधिक 5 प्रतिशत या 5,000 प्रतियों

4.6 मूल हकदारी निकालने में भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक, जैसा वे प्रत्येक मामले में उचित समझें, सामान्य औसत खपत पर विश्वास करके निम्नलिखित की उपेक्षा कर सकते हैं :—

(1) प्रसार संख्या में असाधारण अल्पकालिक गिरावट, जो विशेष परिस्थितियों, जिनमें हड़ताल/तालाबन्दी या इसी प्रकार के अन्य कारण शामिल हैं, से हुई हों, और

(2) प्रतियोगी समाचारपत्रों के बन्द होने/उनके कार्य में व्यवधान हो जाने या किन्हीं अन्य असाधारण परिस्थितियों से प्रसार संख्या में असाधारण वृद्धि ।

4.7 यदि किसी समाचारपत्र ने किसी भी पिछले वर्ष के दौरान अपने की आवंटित अखबारी कागज की किसी मात्रा का उपयोग नहीं किया है, तो अप्रयुक्त मात्रा को उसकी 1990-91 की हकदारी में से काट लिया जाएगा ।

4.8 समाचारपत्रों को छीजन की क्षतिपूर्ति के रूप में निम्नलिखित सीमा तक अतिरिक्त अखबारी कागज दिया जाएगा :—

सभी समाचारपत्रों के लिए	7 प्रतिशत
बहुरंगी मुद्रण वाली पत्रिकाएँ	1 प्रतिशत अतिरिक्त
सिली हुई पत्रिकाएँ (काट-छांट के लिए)।	3 प्रतिशत अतिरिक्त

4.9 छीजन की क्षतिपूर्ति को मिलाकर आयातित अखबारी कागज और स्वदेशी कागज के लिए समाचारपत्रों की मूल वार्षिक हकदारी 1990-91 के लिए 50 ग्राम प्रति वर्ग मीटर के आधार पर निकाली जाएगी। अखबारी कागज प्रामो के अनुसार अनुपातिक समायोजन के बाद ही सही रूप से जारी किया जाएगा ।

5. आवेदन पत्र प्रस्तुत करने का प्रक्रिया

5.1 अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन नियमित समाचारपत्र के प्रकाशक द्वारा या इस निमित्त उसके द्वारा विधिवत् प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा फार्म एन. पी.-I और एन. पी.-II में दिए जाने चाहिए और वे भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक, पश्चिमी खण्ड-8, सड़क-2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली को सम्बोधित किए जाने चाहिए ।

5.2 किसी नियमित समाचारपत्र द्वारा जितने 1989-90 में मूल हकदारी प्राप्त की हो, अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन फार्म एन. पी.-I में किया जाए जिसके साथ (क) फार्म एन. पी.-II में 1-4-89 से 31-3-90 तक पिछले वर्ष का निष्पादन विवरण प्रमाचार-पत्र, (ख) कैलेण्डर वर्ष 1989 में वार्षिक विवरण की एक प्रति जो सब तरह से पूर्ण हो तथा (ग) भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा अपेक्षित समाचारपत्र के अंकों की नमूना प्रति भेजी जाए । जिस समाचारपत्र की औसत प्रसार संख्या प्रति प्रकाशन दिवस 2,000 प्रतियों से अधिक है, उसका निष्पादन विवरण प्रमाणपत्र चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित होना चाहिए ।

5.3 प्रारम्भिक कोटे के लिए आवेदनपत्र समाचारपत्रों द्वारा पैरा 4.4 (क) द्वारा फार्म एन. पी.-III में दिया जाना चाहिए ।

6. अन्तिम तारीख

6.1 भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में वर्ष 1990-91 के लिए अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदनपत्रों के प्राप्त होने की अन्तिम तारीख 30 जून, 1990 है ।

6.2 इसके बाद प्राप्त होने वाले सभी आवेदनपत्र अस्वीकृत किए जा सकते हैं । तथापि, आवेदक द्वारा वैध कारण दिए जाने पर और देरी आवेदक के कारण न होने पर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक गुणावगुण के आधार पर आवेदन पर विचार कर सकते हैं । ऐसे मामलों में अखबारी कागज भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में आवेदन प्राप्त होने की तारीख से दिया जाएगा ।

7. अखबारी कागज का आवंटन

7.1 अखबारी कागज का आवंटन संध्याकाण्डवा रीलों में किया जाएगा । तथापि, शीट फैंड मशीन पर मुद्रित होने वाले समाचारपत्र अपनी हकदारी शीटों में प्राप्त करेंगे, बशर्ते कि शीटें उपलब्ध हों ।

7.2 200 मीट्रिक टन या उससे कम की मूल वार्षिक हकदारी वाले समाचारपत्रों की स्वदेशी या आयातित स्टैंडर्ड अखबारी कागज को पूरा या आंशिक रूप में उठाने का विकल्प होगा ।

7.3 जिस समाचारपत्र की हकदारी 200 मीट्रिक टन से अधिक है उसके लिए अखबारी कागज का आवंटन निम्नानुसार होगा :—

आयातित	35 प्रतिशत
समुरूपपरामत्साल	19 प्रतिशत
हिन्दुस्तान न्यूजप्रिंट मिल्स लि. (केरल)	19 प्रतिशत
नेपा लि.	17 प्रतिशत
तमिलनाडु न्यूजप्रिंट एण्ड पेपर्स लि.	10 प्रतिशत

उपरोक्त प्रतिशतता सांकेतिक है । आयातित, स्टैंडर्ड तथा ग्लेज्ड दोनों अखबारी कागज तभी दिया जाएगा बशर्ते कि विदेशी मुद्रा उपलब्ध हो ।

7.4 आयातित अखबारी कागज का 25 प्रतिशत राज्य व्यापार निगम के बफर स्टॉक से उठाया जाना चाहिए । जिन समाचारपत्रों/आवधिकों की वार्षिक हकदारी 50 मीट्रिक टन या उससे कम है उनको पूरी मात्रा या आंशिक मात्रा बफर स्टॉक से उठाने का विकल्प होगा ।

7.5 केवल उन नियमित आवधिक पत्रों को जिन्हें बहुरंगी मुद्रण की आवश्यकता हो, ग्लेज्ड अखबारी कागज और/या सुपर कैलेण्डर क्रीम बोव पेपर आवंटित किया जा सकता है, बशर्ते कि विदेशी मुद्रा उपलब्ध हो । नए आवेदनों पर गुणावगुण के आधार पर विचार किया जाएगा ।

7.6 उस नये आवेदक को जो पहली बार प्रकाशन आरम्भ कर रहा है, अथवा भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के पास पहली बार अखबारी कागज के लिए आवेदन करता है, उसकी इस नीति के पैरा 4.4 (क) में निर्धारित सीमा के अन्तर्गत अखबारी कागज का प्रारम्भिक कोटा पहले छः मास के लिए दिया जाएगा । इस प्रारम्भिक कोटे में अधिकतम 5 मीट्रिक टन आयातित अखबारी कागज होगा और शेष स्वदेशी अखबारी कागज से दिया जाएगा । आगे की हकदारी तभी दी जाएगी जब इस बात का प्रमाण दे दिया जाएगा कि आयातित और स्वदेशी अखबारी कागज का जारी किया गया कोटा संबंधित समाचारपत्र द्वारा वास्तव में उठा लिया गया है तथा उसकी खपत हो गई है ।

7.7 ऐसे कारणों से यथा अखबारी कागज की उपलब्धता, बफर स्टॉक के अनुरक्षण या अन्य किसी कारण से विभिन्न स्रोतों से आवंटन में संशोधन/परिवर्तन किया जा सकता है ।

7.8 यदि राज्य व्यापार निगम को "लेट्स ऑफ क्रेडिट" के प्राप्त होने के 120 दिन के भीतर हाई सी सेल आधार पर आवंटित मात्रा का पोत लदान कार्यान्वित नहीं हो जाता है तो अनुपातिक मात्रा को हाई सी सेल के आधार पर बफर स्टॉक से आवंटित करने का प्रयत्न किया जाएगा जिसकी बाद में प्रतिपूर्ति की जाएगी ।



## 8. वितरण

8.1 प्रायानित प्रखबारी कागज का वितरण संबंधी कार्य पूर्णतया राज्य व्यापार निगम द्वारा उस प्रकार से किया जाएगा, जिस प्रकार इस नीति के अनुसार तथा प्रखबारी कागज नियंत्रण आदेश, 1962 के उपबन्धों के अनुपालन में भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा प्राधिकृत किया जाएगा।

8.2 जिस समाचारपत्र को हार्ड सी सेल के आधार पर न्यूजप्रिंट प्राबंधित किया जाता है उसे सीधे या अपने विधिवत् प्राधिकृत एजेंट/एजेंटों की मार्फत डिलीवरी लेने की अनुमति होगी।

8.3 औपचारिक आवेदन के साथ पिछले प्राधिकार पत्र के अनुसार प्राबंधित प्रखबारी कागज को उठाए जाने के प्रमाण-पत्र की प्राप्ति पर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक प्रखबारी कागज देने का प्राधिकार पत्र तिमाही आधार पर जारी करेंगे। स्वदेशी प्रखबारी कागज की हकदारी के लिए प्राधिकार पत्र सीधे संबंधित मिलों को जारी किए जाएंगे। यदि किसी समाचारपत्र की वार्षिक हकदारी 50 मीट्रिक टन या इससे कम है तो भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक अपने विवेक से इस प्रकार के समाचारपत्रों को वार्षिक आधार पर या जैसा भी अन्यथा उपयुक्त समझा जाए, प्रखबारी कागज का प्राबंधन कर सकते हैं। नये आवेदकों के अतिरिक्त, 200 मीट्रिक टन तक की हकदारी वाले अन्य समाचारपत्रों के मामले में यह प्राबंधन छमाही आधार पर होगा।

8.4 समाचारपत्र को अपना प्राबंधन हार्ड सी सेल अवस्था बंदर स्टॉक प्रकवा स्वदेशी मिलों से प्राधिकार पत्र के जारी होने की तारीख से 3 माह के भीतर उठाना होगा। जहाँ कहीं भी लागू हो समाचारपत्रों के लिए यह आवश्यक है कि वह पहले स्वदेशी मात्ता उठाए। अनुवर्ती तिमाहियों के लिए प्राबंधन पिछली तिमाही (यों) के दौरान उठाए गए प्रखबारी कागज के आधार पर किया जाएगा और निर्धारित स्वदेशी प्रखबारी कागज मिलों में से नहीं उठाई गई मात्ता के अनुपात में प्रायानित प्रखबारी कागज रोक लिया जाएगा। लाइसेंसिंग वर्ष के अंत में स्वदेशी कागज को न उठाने के कारण प्रायानित प्रखबारी कागज को जितनी भी मात्ता रोकी गई हो, वह स्वदेशी कागज की न उठाई गई मात्ता सहित मिशन से बंथित हो जाएगी।

8.5 प्रत्येक मामले में गुणावगुण के आधार पर विचार करते हुए भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा प्राधिकार के पुनर्विहीकरण की अनुमति लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान ही जाएगी।

8.6 यदि यह पाया जाए कि किसी समाचारपत्र ने उस स्वदेशी प्रखबारी कागज जो उसे प्राबंधित है, के उठाने के बारे में झूठा प्रमाण-पत्र दिया है तो उसे निविष्ट अवधि, जो एक वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है, के लिए प्रखबारी कागज के प्राबंधन से बंथित किया जा सकता है।

## 9. प्रखबारी कागज का अप्राधिकृत प्रयोग

यद्यपि संबंधित समाचारपत्र का स्वामित्व अभी हो या उनको अपनी अपनी हकदारी हकट्टे लेने की अनुमति दी गई हो तो भी कोई समाचारपत्र प्रखबारी कागज न तो हस्तांतरित कर सकता है और न ही दूसरे समाचारपत्र से प्राप्त कर सकता है। तथापि, भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक अपने विवेक से प्रखबारी कागज को अधिक से अधिक तीन महीने की अवधि के लिए एक समाचारपत्र से दूसरे समाचारपत्रों की उधार के तौर पर हस्तांतरित करने की अनुमति दे सकते हैं बशर्ते कि हस्तांतरणकर्ता और हस्तांतरित भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक की ऐसे मामले की सूचना

30 दिन के अन्दर भेज दें। कोई भी समाचारपत्र जो ऐसे अप्राधिकृत कार्य में लगा हो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जा सकती है जिसके अन्तर्गत उसकी हकदारी के बराबर की मात्ता में से पूरी या आंशिक कटौती की जा सकती है।

## 10. खपत के संबंध में प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना

10.1 जिस समाचारपत्र को प्रखबारी कागज का प्राबंधन किया जाता है वह भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को फार्म एन.पी.-II में वर्ष 1990-91 का निष्पादन व्योरा प्रमाण-पत्र 30 जून, 1991 तक प्रस्तुत करेगा। यदि प्रसार संख्या 2,000 प्रतियाँ प्रति प्रकाशन दिवस से अधिक हो तो वह चार्टर्ड एकाउंटेंट से विधिवत् प्रमाणित होना चाहिए।

10.2 जिस समाचारपत्र का प्रकाशन निलम्बित या बन्द हो जाता है वह प्रकाशन निलम्बित/बन्द होने से एक महीने के भीतर फार्म एन.पी.-II में निष्पादन व्योरा प्रमाण-पत्र भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को प्रस्तुत करेगा। वह अप्रयुक्त प्रखबारी कागज भी भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के निर्देशों के अनुसार वापस करेगा।

## 11. वृद्धि दर और संशोधन

11.1 लाइसेंसिंग वर्ष के लिए प्रखबारी कागज की समस्त माँग का निर्धारण करते समय नए आवेदकों की आवश्यकताओं और लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान प्रसार संख्या की वृद्धि की ध्यान में रखते हुए 7 प्रतिशत की वृद्धि का प्रावधान किया जाएगा।

11.2 जिस समाचारपत्र को वर्ष 1990-91 के लिए मूल हकदारी प्राप्त हो गई हो वह इसके प्रसार और पूर्ण में बढ़ोतरी के आधार पर अधिक प्राबंधन के पुनर्विचार के लिए वर्ष में एक बार आवेदन कर सकते हैं बशर्ते कि ऐसे आवेदन के साथ चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत् प्रमाणित निष्पादन प्रमाण फार्म एन.पी.-II में भेजा गया हो (जहाँ प्रसार 2,000 प्रतियों से अधिक हो) और जो 30 नवम्बर, 1990 को 8 महीने से कम अवधि का न हो। ऐसे आवेदन-पत्र भिन्न-भिन्न तारीखों के अंकों की तमूना प्रतियों सहित भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में 31 दिसम्बर, 1990 तक पहुँचाने चाहिए।

11.3 लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान हकदारी के संशोधन के कारण उत्पन्न हुई स्टैंडर्ड प्रखबारी कागज की अतिरिक्त आवश्यकता निर्धारित स्वदेशी प्रखबारी कागज मिलों से पूरी की जाएगी। जहाँ तक ख़लेख प्रखबारी कागज का प्रश्न है ऐसी अतिरिक्त आवश्यकता भी संबंधित प्राधिकारों की अपेक्षानुसार स्वदेशी मिलों द्वारा उत्पादित किसी भी किस्म के कागज द्वारा अथवा उपलब्ध होने पर प्रायानित ख़लेख प्रखबारी कागज द्वारा पूरी की जाएगी।

## 12. अपवाद

इस नीति में किसी बात के होते हुए भी भारत सरकार का सूचना और प्रसारण मंत्रालय समुचित और पर्याप्त कारणों से किसी भी अपेक्षा को छोड़ सकता है या इन में से किसी भी उपबन्ध में ढील दे सकता है।

## 13. फार्म

फार्म एन.पी.-I, एन.पी.-II तथा एन.पी. III के नमूने संलग्न हैं।

कार्य—एन. पी.—1

समाचार पत्रों के प्रकाशन के लिए समाचारपत्रों/नियतकालिक पत्रों के लिए आवेदन कार्य

भाग -1

1. समाचारपत्र/प्राधिकृत का नाम तथा भाषा और आवधिकता :
2. स्वामी का नाम और पता :
3. प्रकाशक का नाम और पता :
4. प्रकाशन का स्थान/पता :
5. मूद्रण का स्थान :  
(क) मूद्रणालय का नाम और पता :
6. (क) चिनांक जब से समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र नियमित रूप में प्रकाशित हो रहा है :  
(ख) भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा की गई पंजीकरण संख्या :  
(ग) संबंधित जिला मजिस्ट्रेट के यहाँ नवीनतम घोषणापत्र का प्रमाणो-करण किए जाने की तारीख :
7. संबंधित संस्था का स्वरूप अर्थात् सार्वजनिक/निजी स्वामित्व आदि तथा निदेशकों/समीक्षकों आदि का नाम :
8. अन्य समाचारपत्रों/प्राधिकृतों के नाम तथा अन्य विवरण जिनके साथ स्वामी है :

समाचार पत्र का नाम	भाषा तथा नियतकालिकता	प्रकाशन का स्थान	क्या सरकार द्वारा समाचारी कागज मिलाता है
1	2	3	4

9. वर्ष 1980-81 के लिए अपेक्षित समाचारी कागज की मात्रा/मूल्य :
10. (क) क्रमबद्ध वितरण आवश्यकताएं :  
(ख) अधिकृत एजेंट का नाम/पता यदि कोई हो :
11. वर्ष 1988-89 के दौरान खपत किया गया समाचारी कागज का ब्योरा :

मैट्रियल	मात्रा पी. टनों में	किस्म (स्टैंडर्ड/नैलेण्ड/स्वदेशी)	स्त्रोत	मूल्य
1	2	3	4	5
(क) समाचारी कागज (भार. एम. आई. द्वारा प्रोसेस)				
(ख) समाचारी कागज (भार. ई. पी. प्रोसेस में आयातित)				
(ग) समाचारी कागज (रद्द किया हुआ)				
(घ) अन्य, पी. पी.				

12. पिछला सहस्रवर्षिक वर्ष जिसमें भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय से समाचारी कागज निर्यात किया गया था (आयातित तथा स्वदेशी समाचारी कागज की मात्रा का उल्लेख कोष्ठ में) :

## 13. (क) मृदण मशीन की किस्म

(ख) अश्वचारी कागज रोलों में या शीटों में चाहिए।

(ग) अपेक्षित रोलों/शीटों का आकार।

## घोषणा पत्र

1. मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरी/हमारी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य और सही हैं। मैं/हम यह भी प्रति समझता हूँ/समझते हैं कि मैं/हमें जो भी आवंटन प्रस्तुत विवरण के आधार पर दिया जाएगा, यदि यह सिद्ध हो जाता है कि दिए गए विवरण गलत या असत्य हैं, वह किसी अन्य जुर्माने के अलावा, जो मन्त्रालय लगा सकता है अथवा अन्य कोई कार्यवाही, जो की जा सकती है मामले की परिस्थितियों को ध्यान में रख कर रह कर रहे योग्य है।

2. मैं/हम यह भी घोषणा करता हूँ/करते हैं कि अगर अश्वचारों कागज का आवंटन किया जाता है तो यह केवल हमारे ऊपर दिए गए पत्र के प्रेम अहाना/संस्थान में प्रयुक्त होगा।

3. मैं/हम यह भी अच्छी तरह समझता हूँ/समझते हैं कि सारणीबद्ध का गई मद/मदों का आवंटन सारणीबद्ध एजेंसी के जरिए आयात नियंत्रण विनियम के अंतर्गत किया जाता है और जिन शर्तों पर मान की निशानों उपयोग के लिए हो जाती है उसी वस्तुओं के किसी उपयोग करने के उत्पन्न पर आयात तथा नियंत्रण अधिनियम, 1947 तथा संशोधित तथा उसके अंतर्गत निर्गम आदेशों की कार्यवाही की ओर ध्यान देना होगा।

4. मैंने/हमने आदान नियमित प्रक्रिया 1990-91 की आयात नॉर्मि हस्तपुस्तिका के प्रासंगिक उपबन्धों को नोट कर लिया है।

स्थान :

प्रकाशक के हस्ताक्षर -----

तारीख :

नाम स्पष्ट अक्षरों में -----

पता -----

## भाग-2

## आयकर घोषणा 1989-90

(क) उन व्यक्तियों के संबंध में जिनकी आय कर योग्य नहीं है।

मैं/हम एतद्वारा मध्य निष्ठा से घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैं/हम किसी भी आयकर एवं अग्रिम कर के उत्तरदायी नहीं हूँ/हैं क्योंकि मेरी/हमारी आय लागू लेखा वर्ष एवं गन चार वर्षों में उस उच्चतम सीमा से कम रहती है जिस पर आयकर नहीं लगता।

(ख) उन व्यक्तियों के संबंध में जिनकी आय आयकर योग्य है।

(1) मैंने/हमने अपनी आज तक की आय से अपनी हमारी वेब राशि का ब्योरा/ब्योरे आयकर विभाग की वेब किया है।

(2) मैंने/हमने उन्हें कर मांगों को छोड़कर जो मकान प्राधिकारी द्वारा स्वयं कर दिए गए हैं, के प्रतिरिक्त जेब सभी करों सहित अग्रिम कर जो हम पर आयकर अधिनियम के अन्तर्गत देय थे, उनका भुगतान कर दिया है।

(3) मैं/हम आयकर/सम्पत्ति कर छिपाने के आरोप में गत तीन कलेंडर वर्षों के दौरान दण्डित\* मित्र/बोनों बांणित नहीं किया गया/किए गए हैं। मैं/हम एतद्वारा मरानिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त घोषणा उन कंपनियों जिनमें मैंने/हमारे प्रचुर हित\*\* निहित है/वा उन व्यक्तियों की फर्म/एसोसिएशन जिसका मैं/हम कमरा: गागीवार या सबस हूँ/हैं, में भी लागू-होते हैं।

या

उपरोक्त घोषणा उन व्यक्तियों के लिए भी लागू होती है जो कि आवेदक कंपनी में या आवेदक/एसोसिएशन के सदस्यों या आवेदक फर्म के सागीवारों में प्रचुर हित\*\* रखते हैं।

स्थान :

स्वामी के हस्ताक्षर -----

तारीख :

पता -----

स्वामी खाता नं. -----

निर्धारण करने वाले आयकर अधिकारी का पद -----

निर्धारण योग्य -----

\*यदि दण्ड लगाए जाने के बिना अपील बायर की गई हो और वह अपील आयकर अपील प्राधिकरण के सहायक अपील आयुक्त के समक्ष लंबित हो तो इस घोषणा ने प्रगोजन के लिए ऐसे दण्ड को लिए जाने की आवश्यकता नहीं है।

\*\*“प्रचुर हित” शब्दों का अतिप्रचुर रहता होगा जो आयकर अधिनियम 1961 की धारा 40ए (2) में दिया गया है।

## कार्य एन.पी.-2

1-1-1989 से 31-3-1990 तक की अवधि के लिए प्रसार आदि संबंधी निम्नानुसार विवरण प्रमाण-पत्र का कार्य

1. समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र का नाम :
2. प्रकाशन का स्थान :
3. मुद्रण का स्थान :
4. भाषा :
5. आवधिकता (पेरियोडिसिटी)
6. भार.एन. आई. द्वारा प्रसार का निश्चयन
  - (क) निश्चयन वर्ष :
  - (ख) वार्षिक प्रसार :
  - (ग) निर्धारित प्रसार :
  - (घ) निर्धारण तारीख :

(इस संबंध में कृपया भार.एन.आई. द्वारा जारी किन्हीं एवं निर्धारित पत्र की एक प्रति संलग्न करें।)

## 7. महीने के दौरान

अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्तूबर	नवम्बर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	वर्ष	1989-90
89	89	89	89	89	89	89	89	89	90	90	90	का	श्रीमत

1. धारुत्विक प्रकाशन दिवसों की संख्या :
2. प्रति प्रकाशन दिवस प्रकाशित प्रतियों का श्रीमत संख्या :
3. प्रति प्रकाशन दिवस बेचा गई प्रतियों का श्रीमत संख्या :
4. प्रति प्रकाशन दिवस मुद्रित वितरित (मानार्थ वा उच्चर, विनिमय, क्रोनम, नमूना एवं कार्यालय प्रतियों सहित) की गई प्रतियों का श्रीमत संख्या :
5. बिना किसी वापिस की गई और अन्य मुद्रित प्रतियों की श्रीमत संख्या जो (2) और (4) में शामिल नहीं की गई।
6. प्रकाशित समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र का श्रीमत आकार (वर्ग से.मी. में)
7. प्रति अंक पृष्ठों का श्रीमत संख्या :
8. प्रति प्रकाशित विषय प्रकाशित पृष्ठों की श्रीमत संख्या :
9. वर्ष के दौरान अखबारों काज की कुल खपत (टनों में)
  - (क) आयामित
  - (घ) स्वदेशी
10. वर्ष 1989-90 के दौरान संकेत प्रिंटिंग काज की कुल खपत (टनों में)
11. आयतन संबंधित (भार. ई.पी. लाइसेंस) योजना के अंतर्गत शामिल की गई अखबारों काज की खपत और 1989-90 के दौरान की गई खपत।

प्रकाशक के हस्ताक्षर -----

स्पष्ट अक्षरों में नाम -----

दिनांक -----

## सन्दी लेखापाल का प्रमाणपत्र

मैंने/हमने वर्ष 1989-90 के दौरान प्रकाशित संबंधी ----- (पत्र का नाम, भाषा, और आवधिकता) के पुस्तकों और लेखों को जांच कर जो है और मैंने/हमने अशुद्धि समाप्त जानकारी और विवरण प्राप्त कर लिया है। मेरे/हमारे विचार से वर्ष 1989-90 के लिए दिया गया उल्लेखित विवरण मेरी/हमारे जांचकर्ता एवं लेखी पुस्तकों के अनुसार प्रदत्त विवरण में प्रसार संख्या, पृष्ठ संख्या, आकार और प्रकाशन दिवसों की संख्या का सत्य एवं सही विवरण देता है।

तारीख -----

हस्ताक्षर -----

सन्दी लेखापाल की संख्या -----

1. उस व्यक्ति का संख्या एवं नाम जिसने प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

2. पंजीकरण संख्या -----

3. पता -----

नोट : 1 यदि वर्ष के लिए औसत प्रसार संख्या, 2,000 प्रतियां प्रति प्रकाशन दिवस से अधिक हों तो प्रमाणपत्र सन्दी लेखापाल के शीर्ष पत्र (गैटरफ्रेट) पर टाईप होना चाहिए और उसके द्वारा विधिवत् प्रति हस्ताक्षरित होने चाहिए तथा उनकी मोहर होनी चाहिए।

2. सभी पीमर्न महीनेवार संग्रहित भाग के कोणन विभाजन के अन्तरे के आधार पर हो जायें ।
3. (7) में दिए जाने वाले आंकड़े मास के दोगत प्रकाशित समा अंकों का कुल पृष्ठों के जोड़ को उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों की संख्या में भाग करके प्राप्त किए जा सकते हैं जबकि (8) में दिए जाने वाले आंकड़ों का हिसाब इस प्रकार होगा :-  
एक अंक के पृष्ठों की संख्या उसके अंक के कुल प्रकाशित प्रतिवियों की संख्या से गुणा करने से सम्बंधित प्रकाशन विषय की कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या निकाल पाएगी । महीने के सभी प्रकाशन दिवसों के कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या को जोड़ लेना चाहिए । मासिक प्रीमिय संख्या प्राप्त करने के लिए इस कुल संख्या को उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों की कुल संख्या में भाग किया जाना चाहिए ।
4. प्रचुरता आवेदन पत्र स्वीकार किया नहीं जाएगा ।

फार्म एन.पी.-3

प्रथम बार आवेदन करने वाले दैनिक /नियतकालिक पत्रों को प्रचुरता कागज के प्रबन्धन के लिए आवेदन फार्म ।

- समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र का विवरण :
  - (क) समाचारपत्र/आवधिक का नाम :
  - (ख) भाषा :
  - (ग) आवधिकता :
  - (घ) प्रकाशन का स्थान तथा पता :
  - (ङ) पंजीयन संख्या :
- नवमिनतम धोषणापत्र के प्रमाणिकरण की तारीख
- अगर प्रकाशित हो रहा हो तो प्रकाशन के आरम्भ करने की तारीख :
- मुद्रण हेतु प्रस्तावित प्रतिवियों की प्रीमिय संख्या :
  - (क) बिक्री की गई :
  - (ख) मुद्रण वित्तियन की गई :
    - (क) मुद्रण का स्थान :
    - (ख) मुद्रणालय का नाम और पता
    - (ग) मुद्रणालय के मालिक का विवरण  
नाम :  
पता :
    - (घ) छपाई की क्षमता :
    - (ङ) बनाबट ,माइन प्रति घंटा गति तथा मशीन की वर्तमान आयु का उल्लेख करते हुए छपाई/कम्पोजिंग मशीन का विस्तृत विवरण
- क्या प्रचुरता कागज एजेंट द्वारा उठाया जाएगा :
- यदि हाँ, तो एजेंट का विवरण लिखिए :
  - (क) नाम :
  - (ख) पता :
  - (ग) क्या उनका नाम और एन.आई की सूची में है :
- अपेक्षित प्रचुरता कागज की मात्रा, माप तथा किस्म :
- प्रचुरता कागज को किसमें में अधिका एक ही बार में बफर स्टॉक/हार्ड सी सेल से उठाने की अधिधि :
- स्वामी का नाम और पता :
- प्रकाशक का नाम और पता :

घोषणा

मैं/हम इस बात का घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त विवरण मेरे/हमारे विश्वास और जानकारी के अनुसार सत्य और ठीक है ।

स्थान :

तारीख :

प्रकाशक/स्वामी के हस्ताक्षर -----

नाम स्पष्ट अक्षरों में -----

पता -----



## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 18th May, 1990

### PUBLIC NOTICE NO. 1-PR-NP/90

File No. 601/4/90-NP.I.—In terms of para 6 of Appendix 5-Part B to the Import and Export Policy for April 1990—March 1993 the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting hereby notify the Newsprint Allocation Policy for the licensing year April 1990—March 1991 as given in the Annexure.

I. A. KHAN, Jt. Secy.

### ANNEXURE

#### NEWSPRINT ALLOCATION POLICY 1990-91

##### 1. Applicability

This policy is applicable to the allocation of newsprint to which the Import and Export (Control) Act, 1947, Imports (Control) Order, 1955 and Newsprint Control Order, 1962 as amended from time to time apply during the licensing year 1990-91 subject to such modifications as may be notified from time to time.

##### 2 Definition

2.1 In this Policy a "newspaper" shall mean any printed periodical work containing public news or comments on public news as defined in the Press and Registration of Books Act 1867, as amended from time to time.

2.2 The expression "Newsprint" used in this Policy includes such paper as may be allocated by the RNI in terms of this Policy.

##### 3. Eligibility

3.1 Newsprint shall be allocated by the Registrar of Newspapers for India on submission of a formal application, to such newspapers as are registered with the Registrar of Newspapers for India in accordance with the relevant provisions of the Press and Registration of Books Act, 1867, as amended from time to time. A newly registered newspaper shall be eligible for allocation of newsprint from the date of receipt of the application.

3.2 A newspaper shall be eligible for allocation of newsprint if it has a regularity of 90 per cent in case it is a daily newspaper and 66-2/3 per cent in case it has any other periodicity, save in such cases where the shortfall in regularity has arisen because of reasons beyond the control of the publisher viz., strikes, lock-outs, go-slow, power shortage or similar causes.

3.3 Allocation of newsprint may also be authorised by the Registrar of Newspapers for India for the following :

- (i) Transmission of news over teleprinters by news agencies;

- (ii) Trial printing by newspapers; and

- (iii) Printing of college and school magazines.

3.4 The following categories of publications although these may be registered with the Registrar of Newspapers for India as newspapers shall not be eligible for allocation of newsprint under this Policy :—

- (i) Journals published primarily to promote sale of goods or services;

- (ii) House Journals/magazines brought out by undertakings/firms/Industrial concerns;

- (iii) Price lists, catalogues, directories and lottery news;

- (iv) Racing guides; and

- (v) Sex magazines.

##### 4. Entitlement

4.1 The basic entitlement of newsprint for the licensing year 1990-91 of a newspaper/periodical will be determined on the basis of its consumption of newsprint, average annual circulation, average number of pages, average number of publishing days and average page area published during the preceding year. The entitlement of the licensing year will, however, be calculated for 365 days in case of a newspaper being published for 7 days in a week and 312 days for a newspaper being brought out for six days in a week. The quantity of writing and printing paper etc., consumed during 1989-90 will be taken into account only if it is over and above the quantity of newsprint allocated to the newspaper by the Registrar of Newspapers for India.

4.2 All the editions of a newspaper/periodical bearing the same title, having the same periodicity, published in the same language and owned by the same owner either published from the same place or from different places would be clubbed together and their category and entitlement of newsprint will be calculated on the basis of performance particulars in respect of all the editions taken together.

4.3 A newspaper/periodical whose circulation claim has been declared unestablished by the Registrar of Newspapers for India will not be eligible for newsprint unless the circulation has been re-established for the same year or for a subsequent year irrespective of any change of the status of the newspaper. In case of a newspaper/periodical whose circulation has been assessed by the Registrar of Newspapers for India to be lower than the claimed circulation in the past, the entitlement will be worked out on the basis of the circulation as assessed by the Registrar of Newspapers for India. Such a Newspaper/periodical will continue to get newsprint at the assessed circulation and will not be eligible for revision of its entitlement during the licensing or a subsequent year till the claim of circulation is accepted in full. In case a newspaper/periodical is found to have given a false statement about its performance or circulation, it shall render itself liable for being debarred from

allocation of newsprint for a specific period which may extend upto one year in the manner indicated below :

Exaggeration	Debarred for
Upto 10 per cent	Exempted
Above 10 per cent & upto 25 percent	3 months
Above 25 per cent & upto 50 per cent	6 months
Above 50 per cent & upto 75 percent	9 months
Above 75 per cent	One year

4.4 (a) Notwithstanding anything contained in para 3.1 of this Policy, a fresh applicant who commences publication for the first time or otherwise approaches the Registrar of Newspapers for India for the first time for allocation of newsprint will be allowed an initial quota of newsprint for four months as determined by the Registrar of Newspapers for India upon his satisfaction of the projection of circulation by the applicant subject to a maximum of 10,000 (ten thousand) copies per issue of 8 standard pages (2450 sq. cms) in the case of dailies and 16 standard pages in the case of periodicals. Such a newspaper as receives initial quota of newsprint should produce within a fortnight after three months of the release of Newsprint evidence of proper utilisation of newsprint in Form NP-II and if not already registered, shall in the meantime also get itself registered under the Press and Registration of Books Act, 1867, as amended from time to time. Thereafter its entitlement for the first six months will be determined on the basis of actual performance and the balance quota, if any, shall be released on submission of a formal application.

4.4 (b) A newspaper which has failed to apply for newsprint during the preceding year shall be treated as a fresh applicant unless such failure has been for reasons beyond the control of the publisher. This provision will however not apply to newspapers which are treated as clubbed for allocation of newsprint.

4.4 (c) In case a newspaper, changes its periodicity, it will be treated as fresh applicant for the purpose of allocation of newsprint.

4.4 (d) A fresh applicant will be entitled to get newsprint from the date of receipt of its application in the office of the Registrar of Newspapers for India.

4.5 The circulation of a newspaper will be determined by taking into account (a) the number of copies sold, and (b) the number of copies distributed free, returned unsold or printed but neither sold nor distributed free, as per following norms :—

Circulation	Whichever is less
(Sold copies per publishing day)	
Upto 25,000 copies	5% or 1000 copies
Above 25,000 copies and upto 75,000 copies	5% or 2500 copies
Above 75,000 copies	5% or 5000 copies

4.6 In working out the basic entitlement, RNI may, as considered appropriate by him in each case and relying on the normal average consumption, ignore :

- (i) Abnormal short-term fall in circulation arising from special circumstances including strikes/lock-outs or other similar reasons and

- (ii) Abnormal short-term increase in circulation attendant upon the closure/disruption of working of competing newspapers or any other extraordinary circumstances.

4.7 If a newspaper had not utilised any portion of newsprint allotted to it during any previous year, the unutilised quantity will be deducted from its entitlement for 1990-91.

4.8 Extra newsprint upto the limits indicated below will be allowed to newspapers as wastage compensation :—

All newspapers	7%
Magazines with multi-colour printing requirement.	Additional 1%
Stitched magazines (for trimming)	Additional 3%

4.9 The basic annual entitlement of a newspaper for imported newsprint as also for indigenous newsprint inclusive of wastage compensation for 1990-91 will be worked out on the basis of 50 GSM. Actual release will be made after making proportionate adjustments as per the grammage of newsprint involved.

## 5. Procedure for Submission of Applications

5.1 Applications for allocation of newsprint should be made by the publisher of a regular newspaper or a person duly authorised by him in this behalf in Form NP-I and NP-II and should be addressed to the Registrar of Newspapers for India, West Block : 8, Wing No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110066.

5.2 Applications for allocation of newsprint by a regular newspaper which secured basic entitlement in 1989-90 should be made in Form NP-I and accompanied by—(a) Performance Particulars Certificate for the preceding year from 1-4-89 to 31-3-1990 in Form NP-II; (b) a copy of the Annual Statement for the calendar year 1989 complete in all respects; and (c) specimen issues of the newspaper as required by the RNI. In the case of a newspaper whose average circulation exceeds 2000 copies per publishing day, its performance particulars certificate should be duly signed by a Chartered Accountant.

5.3 Applications for initial quota by newspapers vide para 4.4 (a) should be made in Form NP-III.

## 6. Last Date

6.1 The last date of receipt of applications in the office of RNI for allocation of newsprint for the year 1990-91 is 30th June, 1990.

6.2 All applications received thereafter are liable to be rejected. However, if the applicant gives the valid reasons and the delay is not attributable to the applicant, RNI may consider the request on merits. In such cases newsprint will be given from the date of receipt of application in the RNI Office.

## 7. Allotment of Newsprint

7.1 Allotment of newsprint will generally be made in reels. A newspaper printed on sheet-fed machines may, however, receive its entitlement in sheets, subject to availability.

7.2 A newspaper with a basic annual entitlement of 200 MT or below will have the option to obtain indigenous or imported standard newsprint either in part or in full.

7.3 The allocation of standard newsprint for a newspaper whose entitlement is above 200 MT will be as follows :

Imported	35%
Mysore Paper Mills Ltd.	19%
Hindustan Newsprint Mills Ltd (Kerala)	19%
Nepa Ltd	17%
Tamil Nadu Newsprint and papers Ltd.	10%

The above percentages are indicative. The servicing of the imported both standard and glazed newsprint is subject to the availability of foreign exchange.

7.4 Twenty five percent of the imported newsprint should be lifted from State Trading Corporation's buffer stock. Newspapers/periodicals with annual entitlement of 50 MT or below will have the option to lift the entire quantity or part thereof from buffer stock.

7.5 Only regular periodicals which have multi-colour printing requirement may be allocated glazed newsprint and/or super calender cream wove paper subject to foreign exchange availability. Fresh applications will be considered on merits.

7.6 In the case of a fresh applicant who commences publication for the first time or otherwise approaches the RNI for the first time, will be given initial quota of newsprint for the first six months subject to the ceilings provided in para 4.4 (a) of this Policy. Of this initial quota, a maximum of 5 MT will be allocated from imported newsprint while the rest shall be released in indigenous newsprint. Further entitlement will be released only after proof is adduced that the quota released in imported and indigenous newsprint has actually been lifted and consumed by the newspaper concerned.

7.7 The allotment from different sources may be revised/varied for such reasons as the availability of newsprint maintenance of buffer stock or any other reason.

7.8 If shipment of quantity allotted on high seas sale basis is not effected within 120 days of receipt of letters of credit by State Trading Corporation, efforts will be made to allot promotorate tonnage from the buffer stock which will be later replenished.

## 8. Distribution

8.1 The work relating to distribution of imported newsprint will be handled entirely by the STC as authorised by the RNI in accordance with this Policy and in compliance with the provision of the Newsprint Control Order, 1962.

8.2 A newspaper which is given allotment of newsprint on high seas basis will be allowed to take delivery directly or through its duly authorised agent(s).

8.3 Authorisations for the release of newsprint will be issued by the RNI on quarterly basis on receipt of formal request along with the proof of lifting of newsprint allocated as per the previous authorisation(s). Authorisations for indigenous newsprint will be issued direct to the mills concerned. In case the annual entitlement of a newspaper is 50 MT or less, the RNI may in his discretion allocate newsprint to such newspapers on annual basis or as otherwise deemed appropriate. In the case of newspapers, other than fresh applicants, having an entitlement upon 200 MT, such allocations may be made on half-yearly basis.

8.4 A newspaper shall lift its allotment from high seas sale or buffer stock or from indigenous mills, within three months from the date of issue of authorisation(s). Wherever applicable, it shall be incumbent upon the newspaper to first lift the indigenous quantity. Allocations for the subsequent quarters will be made on the basis of the lifting of newsprint during the previous quarter(s) and imported newsprint shall be withheld proportionate to the quantity not lifted from the scheduled indigenous newsprint mills. Whatever quantity of imported newsprint remains withheld at the end of the licencing year on account of non-lifting of indigenous newsprint shall stand forfeited along with the non-lifted quantity of indigenous newsprint.

8.5 Revalidation of an authorisation will be allowed by the Registrar of Newspapers for India during the licencing year, considering each case on merits.

8.6 If a newspaper is found to have given a false certificate about the lifting of indigenous newsprint allocated to it, it may be debarred from further allocation of newsprint for a specified period which may go upto one year.

## 9. Unauthorised Use of Newsprint

No newspaper shall transfer to or receive from another newspaper, newsprint even though the concerned newspapers have the same ownership or have been allowed to club their entitlement. However, the RNI may, in his discretion, allow such transfer of newsprint by one newspaper to another by way of loan for a period not exceeding three months provided the transferor and the transferee give intimation to the Registrar of Newspapers for India within 30 days thereof. A newspaper indulging in such unauthorised transactions may render itself liable to action which may extend to deduction equivalent to full or part of the quantity involved from its entitlement.

## 10. Submission of Certificates Regarding Consumption

10.1 A newspaper which is allotted newsprint shall submit to the Registrar of Newspapers for India a Performance Particulars Certificate for 1990-91 in Form NP-II not later than 30 June 1991 duly certified by a Chartered Accountant if the circulation is over 2000 copies per publishing day.

10.2 A newspaper which suspends or ceases publication shall submit to the Registrar of Newspapers for India a Performance Particulars Certificate in



Form NP-II within a month of suspension/cessation of its publication. It shall also surrender the newsprint not utilised by it as per directions of the Registrar of Newspapers for India.

#### 11. Growth Rate and Revision

11.1 While assessing the overall demand of newsprint for the licencing year, provision shall be made for growth of 7 per cent to take care of the requirement(s) arising from fresh applicants and increase in circulation during the licencing year.

11.2 A newspaper which secures the basic entitlement for 1990-91 can apply once during the year for upward revision of the allocation on the basis of increase in its circulation and number of pages, provided such an application is accompanied by performance certificate in Form NP-II duly certified by a Chartered Accountant (where circulation is more than 2000 copies) and covers a period of not less than 8 months as on 30th November, 1990. Such applications should reach the office of the Registrar of Newspapers for India along with sample issues of different dates by 31st December, 1990.

11.3 Additional requirements of standard newsprint arising from the revision of entitlements during the licencing year shall be serviced from the scheduled indigenous newsprint mills. In the case of glazed newsprint also such additional requirements shall be serviced in any kind of paper as manufactured by indigenous mills and as required by the periodicals concerned or in imported glazed newsprint, subject to availability.

#### 12. Exceptions

Notwithstanding anything contained in this Policy, the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting may waive any of the requirements or relax any of these provisions for good and sufficient reasons.

#### 13. Forms

Specimen Forms NP-I, NP-II and NP-III are attached.

#### FORM NP-I

#### APPLICATION FORM FOR ALLOTMENT OF NEWSPRINT TO NEWSPAPERS/PERIODICALS 1990-91

#### PART - I

1. Name of the Newspaper/Periodical Language and Periodicity
2. Name and address of the owner
3. Name and address of the Publisher
4. Place of Publication with address
5. Place of printing
  - (a) Name of the Printing Press with address
6. (a) Date from which newspaper/periodical is regularly published.
  - (b) Registration Number as given by Registrar of Newspapers for India
  - (c) Date of authentication of the latest declaration by the District Magistrate concerned
7. Nature of concern i.e. public/private/proprietorship etc. and name of Directors/Partners etc.
8. Name and particulars of the other news papers/periodicals owned by the owner.

Title of the paper	Language & Periodicity	Place of Publication	Whether getting newsprint through Government
1	2	3	4
1.			
2.			
3.			

9. Quantity/value of newsprint required for 1990-91

10. (a) Phased delivery requirement

(b) Name and address of the agent authorised, if any.

## 11. Particulars of newsprint/paper consumed during 1989-90

Material	Qty. in MT	Variety (Std./Gld./Ind.)	Source	Value
1	2	3	4	5
(a) Newsprint allocated by RNI				
(b) Newsprint imported against REP licence				
(c) Newsprint (rejected)				
(d) W.P.P.				

12. Last licensing year in which newsprint was taken from the office of RNI (Specify quantity of indigenous and imported newsprint)

13. (a) Type of printing machine

(b) Whether newsprint required in rolls or sheets

(c) Size of rolls/sheets required

## DECLARATION

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any allotment made to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation in addition to any other penalty that the Govt. may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statement or facts herein are incorrect or false.

2. I/We declare that the newsprint, if allotted, will be used in our press/promises/establishments at the above mentioned address.

3. I/We also fully understand that the allocation of canalised item(s) through the canalising agency is made under the import control Regulations and violations of the condition on which such goods are released to me/us and any misuse of such goods will attract the provisions of Imports and Exports (Control) Act, 1947 as amended and orders issued thereunder.

4. I/We have noted the relevant provisions contained in the Import Policy Hand Books of Import Exports Procedure 1990-93

Signature of the Publisher/Owner \_\_\_\_\_

Place: \_\_\_\_\_

Name in Block letters \_\_\_\_\_

Date: \_\_\_\_\_

Address \_\_\_\_\_

## PART - II

## INCOME TAX DECLARATION—1989-90

(a) In case of persons not having taxable income:

I/We hereby solemnly declare that I/We are not liable to pay any Income Tax including advance tax as the Income earned by me/us during the current accounting year and last four accounting years has been below the maximum limit not chargeable.

(b) In case of persons having taxable income

1. I/we have furnished to the Income Tax Department the return(s) of income due from me/us till date.

2. I/We have paid all taxes including advance tax due from me/us under the Income Tax Act other than the tax demand which has been stayed by the Competent Authority.

3. I/We have not been penalised/convicted for concealment of income/wealth during the last three calendar years. I/We hereby solemnly declare that the above declaration also applied in case of companies in which I/We am/are having substantial \*\*interest or the firm or associations of persons in which I/We am/are partners or member(s) respectively.

OR

The above declaration is applicable in case of persons having substantial interest in the applicant company or members of the applicant/association or partners of the applicant firm.

Date: \_\_\_\_\_

Signature of the owner: \_\_\_\_\_

Place: \_\_\_\_\_

Address \_\_\_\_\_

Permanent A/c No. \_\_\_\_\_

Designation of the ITO \_\_\_\_\_

With whom assessed \_\_\_\_\_

Assessable \_\_\_\_\_



\* If an appeal has been filed against the levy of penalty and the appeal is pending before the appellate Assistant Commissioner of Income Tax Appellate Tribunal such penalty need not be taken for the purpose of this declaration.

\*\* The words 'substantial interest' shall have the same meaning as in the explanation to Section 40(2) of the Income Tax Act 1961.

**FORM OF PERFORMANCE PARTICULAR CERTIFICATE REGARDING CIRCULATION  
ETC. FOR THE PERIOD FROM 1-4-1989 TO 31-3-1990**

1. Name of the Newspaper/Periodical
2. Place of Publication
3. Place of printing
4. Language
5. Periodicity
6. Assessment of circulation by RNI
  - (a) Year for which assessed
  - (b) Claimed circulation
  - (c) Assessed circulation
  - (d) Date of assessment  
(Please enclose a copy of RNI's assessment letter issued in this regard)
7. During the month of

Apr. 89	May 89	June 89	July 89	Aug. 89	Sep. 89	Oct. 89	Nov. 89	Dec. 89	Jan. 90	Feb. 90	March 90	Average for the year 1989-90
------------	-----------	------------	------------	------------	------------	------------	------------	------------	------------	------------	-------------	---------------------------------

- (i) Actual number of publishing days
- (ii) Average number of copies printed per publishing day
- (iii) Average number of copies sold per publishing day
- (iv) Average number of copies distributed free per publishing day  
(including complementary, vouchers, exchange, bonus, sample and office copies)
- (v) Average number of unsold returns and other copies printed but not included in (ii) & (iv)
- (vi) Average size of the newspaper/periodical publishing (in sq. cms)
- (vii) Average number of pages per issue
- (viii) Average number of pages printed per publishing day.
- (ix) Total consumption of newsprint during the year (in tonnes)
  - (a) Imported
  - (b) Indigenous
- (x) Total consumption of white printing paper during the year 1989-90 (in tonnes)
- (xi) Consumption of newsprint obtained under the Scheme of Export Promotion (REP licences) and consumed during 1989-90.

Signature of the Publisher \_\_\_\_\_

Name in block letters \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

**CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANT**

I/we have examined the books and accounts of M/s \_\_\_\_\_ name, language and periodicity of the paper published for the year 1989-90 and have obtained all the information and explanation required by me/us. In my/our opinion the statement set forth above reflects true and correct analysis for circulation page, size and number of publishing days for the year 1989-90 to the best of my/our information and belief and according to the explanation given to me/us by the books of account etc.

Date \_\_\_\_\_

Signature \_\_\_\_\_

Stamp of the Chartered Accountant

1. Number and name of the person who has signed the certificate \_\_\_\_\_
2. Registration No. \_\_\_\_\_
3. Address \_\_\_\_\_

**Note:**

1. If the average circulation for the year is more than 2,000 copies per publishing day, the certificate should be typed on the letter head of the Chartered Accountant and every paper should be duly countersigned by him with the stamp of the Chartered Accountant.
2. All the average has to be given monthwise on the basis of the particulars of performance during the relevant month.
3. The figures to be given against (vii) should be arrived at by adding the total number of pages of all the issues published during a month and dividing the total by the number of publishing days in that month, while the figures against (viii) should be worked out like this: The number of pages of an issue multiplied by the total number of copies printed of that issue will give the information about the total number of pages printed on the relevant publishing days. The total number of pages printed on all the publishing days in a month should be added. The monthly averages should be arrived at by dividing this total by total number of days in that month.
4. In complete application is liable to be rejected.

**FORM NP III****APPLICATION FORM FOR ALLOTMENT OF NEWSPRINT TO DAILIES/PERIODICALS APPLYING FOR THE FIRST TIME**

1. Particulars of the newspaper/periodical
  - (a) Name of the newspaper/periodical
  - (b) Language
  - (c) Periodicity
  - (d) Place of publication with address
  - (e) Registration Number
2. Date of authentication of the latest declaration
3. Date of commencement of the publication, if already commenced
4. Average number of copies proposed to be printed
  - (a) Sold
  - (b) Distributed free
5. (a) Place of printing
  - (b) Name & address of the Printing Press
  - (c) Particular of the owner of the press
 

Name \_\_\_\_\_

Address \_\_\_\_\_
  - (d) Printing capacity
  - (e) Details of printing/composing machine indicating the make, model, speed per hour and present life of the machine
6. Whether newsprint is to be lifted through agent
7. If so, the particulars of the agent
  - (a) Name
  - (b) Address
  - (c) Whether listed with RNI
8. Quantity, size and variety of newsprint required
9. The term of lifting newsprint in instalments or in one lot buffer stock/high sea sale
10. Name and address of the owner
11. Name and address of the publisher

**DECLARATION**

I/We hereby declare that the above statement is true and correct to the best of my/our knowledge and belief.

Signature of the publisher/Owner \_\_\_\_\_

Place:

Name in block letters \_\_\_\_\_

Date:

Address \_\_\_\_\_

